

किरपा तेरी श्याम धणी

किरपा तेरी श्याम धनी जिस पर हो जाती है
उसकी किस्मत भी दुनिया में फिर मौज उड़ाती है

मौज मिले हर रोज मिले ,बस एक इशारा काफी है
जीवन महकेगा फूलों सा, बस तेरा नज़ारा काफी है
जिस पर बाबा तेरी मोरछड़ी लहराती है -2
उसकी किस्मत भी दुनिया में फिर मौज उड़ाती है

भाव भजन भक्ति के कारण, ही तेरा ये द्वार मिला
संकट की घड़ियों में बाबा ,तेरा ये दरबार मिला
तेरे दर की धूली जिस माथे लग जाती है -2
उसकी किस्मत भी दुनिया में फिर मौज उड़ाती है

किरपा करते रहना इतनी,तेरा दर ये छूटे ना
छुट जाए जग सारा बाबा,तुमसे रिश्ता टूटे न
रसिक श्याम के नाम से , किरपा बढ़ती जाती है -2
उसकी किस्मत भी दुनिया में फिर मौज उड़ाती है

किरपा तेरी श्याम धनी जिस पर हो जाती है
उसकी किस्मत भी दुनिया में फिर मौज उड़ाती है

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36186/title/kirpa-teri-shyam-dhani>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |